भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3184
दिनांक 13, दिसम्बर 2024 को उत्तर के लिए

पोषण भी पढ़ाई भी

3184. **श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेलः**

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गुजरात में विशेष रूप से वलसाड, नवसारी और डांग संसदीय क्षेत्र में पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के लाभार्थियों की संख्या कितनी है;
(ख) गुजरात के उक्त निर्वाचन क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या कितनी है जहां उक्त कार्यक्रम के तहत कौशल विकास सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है;
(ग) क्या सरकार उक्त कार्यक्रम के तहत दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष अभियान शुरू करने के लिए कोई विशेष योजना बना रही है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और
(ङ) उक्त योजना का समग्र प्रभाव क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (ड.) : भारत सरकार ने 10 मई, 2023 को सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के कौशल उन्नयन के लिए पोषण भी पढ़ाई भी (पीबीपीबी) पहल शुरू की ताकि दिव्यांग बच्चों सहित छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा तथा पोषण सेवा प्रदान करने की उनकी क्षमता को सशक्त किया जा सके।
आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण की परिकल्पना आंगनवाड़ी को एक शिक्षण केंद्र में बदलने के पहले कदम के रूप में की गई है जिसमें गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा, खेल उपकरण और अच्छी तरह से प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री होनी चाहिए। इस कार्यक्रम के तहत, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय दो स्तरीय प्रशिक्षण कार्यान्वयन मॉडल पर ध्यान केंद्रित करता है।

निपसिड को अपने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश भर में स्थित पांच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से पोषण भी पढ़ाई भी के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण का काम सौंपा गया है।

टियर में निपसिड मुख्यालय और इसके पांच क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से सीडीपीओ, पर्यवेक्षकों और राज्य-नामांकित अतिरिक्त संसाधन व्यक्तियों सहित राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों (एसएलएमटी) को प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें ऑनलाइन और ऑफलाइन (व्यक्तिगत रूप से) दोनों तरह के प्रशिक्षणों वाले हाइब्रिड मॉडल में 2 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा, टियर शहरों में II में देश भर के आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के लिए भौतिक रूप में 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला शामिल है।

आज तक, पीबीपीबी कार्यक्रम के तहत कुल 25,183 एसएलएमटी और 54,029 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया है जिसमें गुजरात में कुल 2044 में से 916 एसएलएमटी प्रशिक्षित हैं।

पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को सशक्त बनाने और दिव्यांग बच्चों सहित सभी बच्चों के लिए इष्टतम शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए, इस मंत्रालय ने दो पाठ्यक्रम रूपरेखाएं तैयार की हैं - "नवचेतना- जन्म से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था उत्प्रेरणा के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा" और "आधारशिला- 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम"।

राष्ट्रीय रूपरेखा - "नवचेतना" घर के अंदर और साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों में सहभागिता का मार्गदर्शन करती है। जीवन के पहले तीन वर्षों में बच्चे की वृद्धि और विकास का समर्थन करने और मापने के लिए उत्प्रेरण कार्यकलापों का संचालन करने में देखरेख करने वालों की सहायता करती है। यह पहले तीन वर्षों में मस्तिष्क के विकास के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान करता है और प्रारंभिक उत्प्रेरणा के कार्यकलापों के संचालन के लिए देखरेख करने वालों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के लिए चरण-दर-चरण निर्देश देता है। यह दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग, समावेशन और रेफरल पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम - "आधारशिला" आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले 3-6 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जाने वाली प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करता है और सभी शिक्षण डोमेन को कवर करते हुए योग्यता आधारित पाठ योजनाओं और कार्यकलापों को प्राथमिकता देता है। यह दस्तावेज़ उम्र के अनुसार उपयुक्त कार्यकलापों और आकलन सहित आसान योजना बनाने में सक्षम बनाता है। इसमें स्वदेशी खिलौनों और कम लागत वाली, बिना लागत वाली सामग्रियों के उपयोग पर जोर दिया गया है। वार्षिक योजना को 4+36+8 सप्ताह में विभाजित किया गया है यानी 36 सप्ताह सक्रिय सीखने, 4 सप्ताह दीक्षा और 8 सप्ताह सुदृढ़ीकरण के लिए। प्रत्येक सप्ताह को 5+1 दिनों में विभाजित किया गया है, यानी 5 दिन कार्यकलापों के परिचय और अभ्यास के लिए और एक दिन साप्ताहिक सुदृढ़ीकरण के लिए। प्रत्येक दिन में 3 ब्लॉक होते हैं, एक बच्चों के आने और मुक्त खेल के लिए, एक सीखने और खेल गतिविधियों के लिए तथा एक चिंतन और समापन के लिए।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त इनपुट सहित 28 नवंबर, 2023 को "दिव्यांग बच्चों के लिए आंगनवाड़ी प्रोटोकॉल" लॉन्च किया। प्रोटोकॉल में दिव्यांगों के लिए पोषण अभियान के तहत समावेशी देखरेख के लिए एक सामाजिक मॉडल का प्रावधान है जिसमें चरण-दर-चरण दृष्टिकोण शामिल है। प्रोटोकॉल दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और पोषण से संबंधित विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जिला प्रशासन को मार्गदर्शन प्रदान करता है। प्रोटोकॉल विशुद्ध रूप से चिकित्सा मॉडल के बजाय विकलांगता के एक सामाजिक मॉडल अपनाता है। दिव्यांग बच्चों को बेहतर गुणवत्ता वाली देखरेख और सेवा प्रदान करने में असानी होने तथा जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसे सरल भाषा में बनाया गया है।

*****